मनोविज्ञान के सम्प्रदाय (Schools of Psychology)

मनोविज्ञान की एक व्यवहारिक शाखा है 'शिक्षा मनोविज्ञान'। अगर कोई अध्यापक विद्यार्थी के व्यवहार का अलग दृष्टिकोणों से अध्ययन करना चाहता है तो उसको मनोविज्ञान के क्रमिक विकास का ज्ञान कर लेना चाहिए। इस ज्ञान से आध्यापक को ये लाभ होगा कि वह विद्यार्थियों को प्रभावित करके उनके व्यवहार में परिवर्तन और परिमार्जन कर सके और वांछित परिणाम पा सकेगा। बहुत से मनोविज्ञानियों के मनोविज्ञान से सम्बन्धित विकास और व्यवहार की व्याख्या में मतभेद है। इसी के परिणामस्वरूप सम्प्रदायों का जन्म हुआ। इन सम्प्रदायों(Schools) के द्वारा हमको केवल व्यवहार के स्वरूप की ही व्याख्या नहीं मिलती बल्कि शिक्षा मनोविज्ञान से सम्बन्धित धारणाओं, अध्ययन करने की विधियों और क्षेत्र में भी बदलाव पैदा किये।

मनोविज्ञान के सम्प्रदाय का अर्थ(Meaning of Schools of Psychology)

मनोविज्ञान के सम्प्रदाय का अर्थ है, "मनोविज्ञान के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों का एक संगठित समुदाय और उनके चिन्तन तथा विचार करने की विधि ।"

वुडवर्थ का विचार "हमारे लिये 'सम्प्रदाय' मनोविज्ञानिकों का एक समूह है जो एक निश्चित विचार प्रणाली रखते हैं, जिससे सब लोगों को उनके अनुसरण के लिये मार्ग संकेत दिया जाता है।"

इससे ये साफ हो जाता है कि मनोविज्ञान का जो सम्प्रदाय है वो मनोविज्ञान के क्षेत्र में सिद्धान्तों का निरूपण करने वाले लोगों का एक ऐसा संगठन है जो उसको वैज्ञानिक अध्ययन का स्वरूप प्रदान करते हैं। मनोविज्ञानिकों के द्वारा बीसर्व शताब्दी में जो भी प्रयोग हुए उनमें मनोविज्ञानिकों ने प्राणी के अलग-अलग ढंग से व्यवहार की व्याख्या की। इसी ढंग क वजह से मनोविज्ञान में मत या सम्प्रदाय पैदा हो गये। अब इन

सम्प्रदायों ने एक ही समस्या के समाधान को अलग- अलग दृष्टिकोणों से किया और हर सम्प्रदाय का अपना अलग-अलग क्षेत्र और अलग-अलग चिन्तन प्रणाली रही।

यदि शिक्षा मनोविज्ञान के अन्तर्गत शिक्षा की समस्याओं का सही समाधान करना चाहते हैं तो तमाम विचार धाराऊ में समन्वय करने की जरूरत पड़ेगी। अपने विशेष क्षेत्र से सम्बन्धित ये सम्प्रदाय अपना सहयोग देकर शिक्षा प्रक्रिया सहायक हो सकते हैं। हर सम्प्रदाय ने मानसिक समस्याओं का गम्भीरता से अध्ययन किया है। कुछ सम्प्रदाय तो ऐसे हैं जिन्होंन शिक्षा के क्षेत्र में बौद्धिक विकास, सीखने की प्रक्रिया, और व्यक्तित्व विकास आदि से सम्बन्ध रखने वाले विषयों का अन्वेषण किया। जिससे प्रक्रिया प्रभावित हुई।

"कुछ सम्प्रदायों का वर्णन यहाँ पर किया जा रहा है जिनका शिक्षा और शिक्षा मनोविज्ञान पर प्रत्प्रभाव पड़ा है। "यह वर्णन है।'

1. संरचनावाद (Structuralism)

2. प्रकार्यवाद (Functionalism)

3. व्यवहारवाद (Behaviourism)

5. अवयवीवाद (Gestalt School)

4. मनोविश्लेषणवाद (Psychoanalysis) 6) क्षेत्र सिद्धान्त (Field Theory)

7. पूर्णांग वाद (Wholistic Paychology) 8. प्रयोजनवाद (Purposivism)